गणेश राजगोपालन और कुमरेश राजगोपालन (संयुक्त पुरस्कार)

अकादेमी पुरस्कारः कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन)

GANESH & KUMARESH RAJAGOPALAN

Akademi Award: Carnatic Instrumental Music (Violin)

Shri Ganesh Rajagopalan and Shri Kumaresh Rajagopalan are a unique team of brothers who have been performing Carnatic instrumental music – violin for quite many years now. Born on 3 April 1965 and 21 February 1967 respectively at Kanpur, Uttar Pradesh, Shri Ganesh Rajagopalan and Shri Kumaresh Rajagopalan received training in Carnatic music (violin) from their father Shri T.S. Rajagopalan. Shri Ganesh Rajagopalan has also learnt Carnatic vocal music.

Shri Ganesh and Shri Kumaresh have participated in many prestigious music festivals, seminars and conferences of music in India and overseas, and have published many articles on Carnatic music. They have been associated with many prestigious cultural institutions. Top grade artists of All India Radio, both have performed in many prestigious music festivals in India and abroad. They have many recordings to their credit.

For their excellence in the field of Carnatic music, Shri Ganesh and Shri Kumaresh have been honoured with many titles and awards. These include the Kalaimamani award conferred by the Government of Tamil Nadu (1997); the Asthana Vidwan of Kanchi Kamakoti Peetham (1998); the GIMA Award given by the Global Indian Music Academy (2011); the Lifetime Achievement Award bestowed by the Bharatiya Vidya Bhavan (2012); the Academy of Music Chowdiah Award, Bangalore (2016); and the Lifetime Achievement Award given by Karthik Fine Arts, Chennai (2019).

Shri Ganesh Rajagopalan and Shri Kumaresh Rajagopalan receive the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 jointly for their contribution to Carnatic instrumental music.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

श्री गणेश राजगोपालन और श्री कुमरेश राजगोपालन बंधुओं की अनूठी जोड़ी पिछले कई वर्षों से कर्नाटक वाद्य संगीत–वायलिन वादन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। कानपुर, उत्तर प्रदेश में क्रमशः 3 अप्रैल 1965 और 21 फरवरी 1967 को जन्मे श्री गणेश राजगोपालन और श्री कुमरेश राजगोपालन ने कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन) का प्रशिक्षण अपने पिता श्री टी. एस. राजगोपालन से प्राप्त किया है। श्री गणेश राजगोपालन ने कर्नाटक गायन संगीत भी सीखा है।

राजगोपालन बंधुओं ने भारत और विदेशों में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों, सेमिनारों और संगीत सम्मेलनों में भाग लिया है और कर्नाटक संगीत पर आपके लिखे कई आलेख भी प्रकाशित हुए हैं। आप दोनों भाई कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों से जुड़े रहे हैं। आप दोनों आकाशवाणी के शीर्ष स्तरीय कलाकार हैं और आपके वादन संगीत की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए राजगोपालन बंधुओं को कई उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रदत्त कलईमामणि पुरस्कार (1997); कांची कामकोटि पीठम द्वारा अस्थाना विद्वान (1998); ग्लोबल इंडियन म्यूजिक एकेडमी द्वारा दिया गया जीआईएमए अवार्ड (2011); भारतीय विद्या भवन द्वारा प्रदान किया गया लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2012); संगीत अकादमी चौडिया पुरस्कार, बैंगलोर (2016); और कार्तिक फाइन आर्ट्स, चेन्नई द्वारा दिया गया लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2019) शामिल हैं।

कर्नाटक वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री गणेश राजगोपालन और श्री कुमरेश राजगोपालन को संयुक्त रूप से वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018